P-1003

Total Pages : 4 Roll No. .....

MAJY-201

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन

MA Jyotish (MAJY)

2nd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. नक्षत्रों का परिचय देते हुए उनकी विविध संज्ञाओं का भी विस्तृत रूप से उल्लेख कीजिए।

अथवा

सुर्यादि नवग्रहों के स्वरुप का विस्तृत वर्णन कीजिए

2. ग्रहों के उच्चनीचादि तथा मूलत्रिकोण राशियों का विवेचन करें।

3. अरिष्ट क्या है? व कितने प्रकार का होता है सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

बालारिष्ट किसे कहते हैं उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. रवि वारादि जन्म फल विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

अथवा

प्रतिपदा से पंचमी पर्यन्त तिथियों का फल कथन लिखिए।

5. लग्नेश का लग्नादि-द्वादश भावागत क्या फल होगा विस्तृत रूप से लिखिए।

अथवा

गुलिक का द्वादश भावगत फल लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. नक्षत्रों के स्वामीयों को बताएं।

अथवा

राशियों की चरादि संज्ञायें लिखिए।

2. काल पुरुष के अंगों कू स्पष्ट कीजिए।

3. आत्मादि कारकों का वर्णन कीजिए।

अथवा

लग्नादि द्वादश भावों की संज्ञाओं का उल्लेख कीजिए।

4. ग्रहों का बल कितने प्रकार का होता है? काल बल साधन कीजिए।

5. भाव बल साधन विधि को उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

6. षोडश वर्ग से क्या तात्पर्य है उल्लेख कीजिए।

7. अरिष्ट भंग से क्या अभिप्राय है किसी एक अरिष्ट भंग योग का उल्लेख कीजिए।

8. अभुक्त मूल से क्या तात्पर्य है वर्णन कीजिए।